पाठ्यक्रम विवरण : जुलाई- दिसम्बर 2020

पाठ्यक्रमः बी.ए.हिन्दी विशेष

सत्रः प्रथम

पेपरः हिन्दी कविता(आदिकाल एवं भक्तिकालीन काव्य)

शिक्षकः डॉ. अनीता

पाठ्यक्रम

इकाई 1

क. अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व
- कव्वाली -छापा तिलक
- गीत- लखि बाबुल मोरे, मोहे निजाम पिया
- दोहे- गोरी सोवे, खुसरो रैन, चकवा चकवी

ख. विद्यापति की पदावली
- राधा की वंदना, श्रीकृष्ण का प्रेम, राधा का प्रेम

इकाई 2

क. कबीरदासः साँच को अंग(साखी 2, 12)
- भ्रम विधौंसण कौ अंग(1,10)
- भेष कौ अंग(2, 12)
- साध साधीभूत कौ अंग(3,4)
- सारग्राही कौ अंग(3.4)
- संग्रथाई कौ अंग(9)
- पद संख्या 64 - काहे री नलनी....
- 66 - अब का डरूँ.....

ख. मंझनः मधुमालती
- केश वर्णन(79)
- नासिका वर्णन(83)
- अधर वर्णन(87)
- दंत वर्णन(94)
- त्रिबली वर्णन(97)

इकाई 3

क. सूरदासः सूरसागर सार

विनय तथा भक्ति पद संख्या - 25 (मेरो मन अनत...)
गोकुल- लीला पद संख्या- 7 (जसोदा हरि पालनै....)
पद संख्या- 18 (सोभित कर.....)
राधा-कृष्ण- पद संख्या 1 (खेलत हरि निकसे.....)
वृंदावन- लीला पद संख्या 42 (मुरली तऊ गुपालहि भावति....)
रासलीला- पद संख्या 97 (आजु हरि....)
उद्धव-संदेश- पद संख्या 141 (ऊधौ मन माने....)
पद संख्या 158 (अति मलीन...)
पद संख्या 187 (ऊधौ मोहि ब्रज....)

ख. मीराः मीराँबाई की पदावली
पद संख्या- 5 (तनक हरि चितवाँ.....)
14 (आली री म्हारे....)
19 (माई साँवरे रंग राँची.....)
22 (माई री म्हा लियाँ....)
25 (मीरा लागौं रंग....)
31 (माई म्हाँ गोविन्दा....)
36 (पग बाँध घूँघरया.....)
39 (माई म्हाँ गोविन्द गुण....)
70 (हेरी, म्हाँ तो दरद दिवाँणी.....)
76 (पतियाँ मैं कैसे.....)

इकाईः 4

क. गोस्वामी तुलसीदास
अयोध्याकाण्ड (कवितावली)

पाठ्यक्रम विवरण

इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को हिन्दी साहित्य के इतिहास, विशेष रूप से आदिकालीन एवं भक्तिकालीन साहित्य और कवियों से परिचय कराना होता है। इसके अतिरिक्त आदिकाल के दो प्रमुख कवियों -अमीर खुसरो और विद्यापति की विशिष्ट भूमिका से अवगत कराया जाता है। भक्तिकाल के अंतर्गत -संतकाव्य, प्रेमाख्यानक काव्य, राम और कृष्णकाव्य के प्रमुख कवियों- कबीर, मंझन, सूरदास और तुलसीदास का अध्ययन करना और हिन्दी साहित्य में उनके योगदान और प्रासंगिकता की चर्चा करना है। स्त्री-विमर्श की दृष्टि से भी मीरा के काव्य को समझाया जाता है।

शिक्षण समयः 1 सप्ताह (लगभग)

कक्षाएं : कोर पेपर के पाठ्यक्रम की रूपरेखा के अनुसार सप्ताह के पांच दिन प्रस्तुत समयसारणी द्वारा आयोजित की जाएगी। ट्यूटोरियल कक्षाओं में छात्राओं के प्रश्नों, शंकाओं का समाधान और निर्धारित कवियों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। ट्यूटोरियल कक्षाएँ नियमानुसार आठ विद्यार्थी प्रति ग्रुप के हिसाब से प्रत्येक सप्ताह तथा हर प्रश्नपत्र में होगी। असांइनमेंट, टेस्ट और प्रस्तुतीकरण के आधार पर आंतरिक मूल्यांकन होगा।

इकाई अनुसार पाठ्यक्रम विवरणः

सप्ताह	विषय
सप्ताह 1	**हिन्दी साहित्य के इतिहास से अवगत कराना**
सप्ताह 2	**अमीर खुसरो**
सप्ताह 3	**विद्यापति**
सप्ताह 4	**पुर्नावृत्ति एवं असाइनमेंट**
सप्ताह 5	**कबीर**
सप्ताह 6	**मंझन**
सप्ताह 7	**पुर्नावृत्ति एवं प्रस्तुतीकरण**
सप्ताह 8	**सूरदास**
सप्ताह 9	**मीरा**
सप्ताह 10	**पुर्नावृत्ति एवं टेस्ट**
सप्ताह 11	**तुलसीदास**
सप्ताह 12	**तुलसीदास**

सप्ताह 13	तुलसीदास
सप्ताह 14	सामूहिक चर्चा, असाइनमेंट

सप्ताह 15	विशेष व्याख्यान एवं टेस्ट
सप्ताह 16	आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियां

संबंधित पुस्तकेः

- अमीर खुसरो- परमानंद पांचाल
- कबीर- हजारीप्रसाद
- त्रिवेणी- रामचंद्र शुक्ल
- भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पाण्डेय
- तुलसी-काव्य मीमांसा- उदयभानु सिंह
- मीरा का काव्य- विश्वनाथ त्रिपाठी
- निर्गुण काव्य में नारी- अनिल राय